बिहार प्रदेश युवा परिषद्

वर्षिक प्रतिवेदन

Registered under the societies ActXXI of 1860FCRA-Income tax 12A,82G Near Mission Girls High School Abadganj, Daltonganj, Palamau- 822110 Mobile- 9431147597
Office:- 06562 235239
Email- ajay_bpyp@rediffmail.com

Bihar Pradesh Yuva Parishad (BPYP)

2016-17

सारांश

बिहार प्रदेश युवा परिषद् (BPYP) ने वित्तीय वर्ष 2016–2017 में में कई अलग–अलग परियोजना में पलामु, लातेहार एवं गढ़वा जिला में कार्य किया है, जिसमें आजीविका, ग्रामीण जलार्पुती, बाल विवाह, शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तिकरण, पोषण आदि परियोजना में कार्य किया गया।

संस्था के लक्ष्य और उद्देश्य

लक्ष्य :

युवा पीढ़ी और सहायक विकास प्रक्रियाओ को बढ़वा देते हुए समपुर्ण ग्रामीण क्षेत्रो का समग्र विकास।

उद्देश्यः

- बेरोजगार युवा वर्ग के सदस्यो के विकास के लिए शैक्षणणिक, सामाजिक, नैतिक, शारीरिक एवं सांस्कृतिक विकासात्मक कार्यक्रम चलाने का प्रयास करना।
- शिक्षित बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए स्व–नियोजन हेतु विभिन्न प्रकार के लघु उद्योग, कुटिर उद्योग का संचालन करने का प्रयास करना।
- समाज में आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हर स्तर पर बालक, बुढ़े एवं असहाय पुरूष तथा महिला इत्यादि का सेवा करने का प्रयास करना।
- समय–समय पर युवको, महिलाओं, बुढ़ो एवं असहाय लोगो की संगोष्ठी बुलाकर उनहे आत्म–स्वावलम्बी बनाने हेतु शैक्षणिक कार्यक्रम चलाने का प्रयास करना।
- समाज के विकास हेतु कसिदाकारी, पेंटिग, बंजर भुमि का विकास, व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, परिवार कल्याण शिविर, बालवाड़ी आगंनवाड़ी एवं पर्यावरण समस्याओं का निदान का प्रयास करना।
- समाज के विकास के लिए समाज से संबंधित आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर अध्ययन, शोध एवं समाग्री प्रकाशन का प्रयास करना।
- यह परिषद राजनीतिक, सम्प्रदायिक तथा जातिय मामले से अलग होकर रचनात्मक और अहिंसात्मक का कार्यक्रम प्रणाली के रूप में कार्य करेगी।

वित्तीय वर्ष 2016–2017 में परियोजनाओं का नाम

1. महिला स्वयं सहायता समुह (नाबार्ड)
2. कोर परियोजना (आजीविका) (सी.डब्लु.एस.)
3. नीर निर्मल परियोजना (वर्ल्ड बैंक)
4. एल.ई.डी.पी. बकरी पालन परियोजना (नाबार्ड)

परियोजनाओ की विस्तृत वार्षिक परियोजना प्रतिवेदन।

1. महिला स्वयं सहायता समुहः–

नाबार्ड और भारत सरकार के सहयोग से महिला स्वयं सहयाता की परियोजना की शुरूआत 22 जुलाई 2012 से पलामु जिले के सभी 20 प्रखण्डो में शुरू किया गया इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थीति में सुधार लाना है।

महिला स्वयं सहायता समुह परियोजना में एकंर एन.जी.ओं बी.पी.वाई.पी. ने नाबार्ड को सहयोग से निःशुल्क बॉक्स, रजिस्टर, पासबुक, कैशबुक आदि प्रदान किया गया।

परियोजना का उद्देश्यः–

- स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीब परिवारों के लिए स्थाई बैंकिंग सेवओं तक पहुॅच प्रदान करना।
- सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमो के माध्यम से गरीब महिलाओं को समाजिक विकास कार्यक्रमों में भागिदार बनाना।
- स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबों के लिए आजीविका विकास को बढ़ावा देना।
- महिलाओं को सशक्त बनाना।

गतिविधि

महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना में वित्तीय वर्ष 2015–16 में कुल 414 बचत खाता और 553 महिला स्वयं सहायता समूहो को ऋण प्रदान कराया गया।

रिर्पोट 2015–16

क0	अवधि	समुह गठन सं0	बचता खाता सं0	जमा रूपया	ऋण खाता सं0	ऋण रूपए
1	2012–16	2144	1812	47475477.00	784	13332500.00
2	2016–17	598	566	10475300.00	45	1125000.00
3	कुल	**2742**	**2378**	**57950777.00**	**829**	**14457500.00**

इस परियोजना में उपरोक्त कार्य के अलावा पलामु जिला के सभी 20 प्रखण्डों में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी समुह के पदाधिकारीयों को रिकार्ड और लेखा पर प्रशिक्षण दिया गया।

2. कोर परियोजना (आजीविका)

यह परियोजना अप्रैल 2015 से लातेहार जिला के मनिका प्रखण्ड के नामुदाग पंचायत में सी.डब्लयु.एस. के सहयोग से चलाया जा रहा है,

कार्यक्रम का उद्देश्यः–

- किसानो तथा भुमिहीन परिवारो के खेती तथा खेती से संबधिंत आजीविका एवं पोषण के परिस्थिती में सकारत्मक बदलाव लाना।
- 900 किसानो को 3 साल के अंत तक स्थायी तथा समेकित खेती कृषि पद्धति से जोड़ना।
- 900 किसानो में (75प्रतिशत) 675 किसानो के वार्षिक आय में औसत 24000 से 36000 रूपये की वृद्धि करना।

गतिविधि

1. 200 परिवारों का खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु डी.डी. स्कोर सर्वे किया गया जिसमें 187 परिवारों को पोषण सुरक्षित करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों से जोड़ गया।
2. 8 किसानो के साथ समेकित खेती का नमुना तैयार करवाया गया।

3. खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कुल 35 महिला किसानो को पोषण बगीचा लगवाया गया।
4. सरकारी सेवा में सुधार हेतु कुल 4 सरकारी से (1 ऑगनबाड़ी, 1 जनवितरण प्रणाली, 1 सहिया और एक विद्यालय) के साथ सामुदायिक अंक अभ्यास किया गया एवं सवे में सुधार हेतु कार्य–योजना तैयार किया गया।
5. 406 किसानो को समेकित खेती से जोड़ गाया।
6. 2 वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन कर 47 किसानो को बैक से जोड़ा गया
7. 406 किसानो के वार्षिक आय में 24000.00 से 36000.00 में वृद्धि हुआ है।
8. 109 किसानो को विभिन्न सरकारी एवं गैर–सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया।

कोर परियोजना चित्र

समेकित खेती को दिखाते किसान।

कुपोषित बच्चो की पहचान करते।

3. नीर निर्मल परियोजना (वर्ल्ड बैंक)

नीर निर्मल परियोजना वर्ल्ड बैंक के द्वारा गढ़वा में संचालित किया जा रहा है, इस परियोजना में संस्था बिहार प्रदेश युवा परिषद् वर्ल्ड बैंक द्वारा गठित जिला प्रबंधन इंकाई गढ़वा के सहयोगी संस्था के रूप में कलस्टर न0 04 एवं 05 में जनवरी 2016 से सितम्बर 2016 तक कार्य किया।

इस परियोजना मे संस्था के द्वारा ग्रामीण जलापुर्ती योजना के तहत ग्रामीणो को सशक्त बनाने का कार्य किया गया है, इसमें ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC), ग्राम सभा, पंचायत सभा, प्रचार–प्रसार के माध्यम से लोगो को जागरूक किया गया है साथ ही साथ योजना में हो रहे कन्ट्रक्सन कार्य की देख–रेख, ठोस तरल कचरा प्रबंधन के उपर विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना, शौचालय निर्माण हेतू लोगो को प्रोत्साहित करने का कार्य किया गया है।

ग्रामीण जलापुर्ती योजना की सूचीः–

क0 स0	जिला	प्रखण्ड	ग्रामीण जलापुर्ती योजना का नाम
1	गढ़वा	मंझीऑव	चन्द्रपुरा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
2			आछोडीह ग्रामीण जलापुर्ती योजान
3			रानीताली ग्रामीण जलापुर्ती योजना
4			रामपुर ग्रामीण जलापुर्ती योजना
5			चन्दना ग्रामीण जलापुर्ती योजना
6			करक्ट्टा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
7		बरडीहा	कुन्द्रहे ग्रामीण जलापुर्ती योजना
8			सलगा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
9			लावाचम्पा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
10			सेमरी ग्रामीण जलापुर्ती योजना
11			सरस्तीया ग्रामीण जलापुर्ती योजना
12	गढ़वा	बरडीहा	लोका ग्रामीण जलापुर्ती योजना
13			बभनी ग्रामीण जलापुर्ती योजना
14			जिका ग्रामीण जलापुर्ती योजना
15		काण्डी	रतनगढ़ा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
16			लमारी खुर्द ग्रामीण जलापुर्ती योजना
17			राजा घटउवा ग्रामीण जलापुर्ती योजना

गतिविधि 2015–16

Complete Project Report (RWSSP) Garhwa

Name Of District:- Garhwa

Sl. No.	Name of Activities	Target Jan.16 to Sept.16	Total Jan.16 to Sept.16
1	Baseline Survey (HH)	8305	9049
2	Capex collection	478141	226439
3	Reconstitution of VWSC	16	27
4	Preparation of VWSC profile	16	27
5	Village contact Drive (VCD) (HH)	N.A.	13307
6	P.R.A. (Village)	16	21
	Different Agreements		
7	A> MoU for MVS between DWSC & MVS-WSC & DWSC & VWSCs	16	16
9	C> GP Resolution recognizing VWSC	90	82
10	D> Undertaking for SHS/SGS/MVS by GP	N.A.	122
	Preparation of VWSC Documents/Files		
12	A> VWSC proceeding register	144	109
13	B>Gram Shabha Proceeding Register	144	18
14	C> Scheme files	144	111
15	D> Payment files of contractors	N.A.	18
16	E> VWSC general A/C Cash Book	N.A.	110
17	F> Capex A/C Cash Book	N.A.	88
18	G> Voucher Guard Files	N.A.	79
19	H>Opening of Capex A/C	17	17
20	I > VWSC general A/C Cash Book	N.A.	82
21	VWSC Payment verification meeting	N.A.	9
22	Contractor's Payment facilitation Visiting Mukhiya, Jalsahiya , EE and DPMU	N.A.	14
24	Water Quality Test (Source)	288	294
26	Catchment Area Plan (Village)	16	16
27	Solid Liquid Wast Management Plan (SLWMP)	10	10
	IEC Activities		
28	A> Orientation at School	144	88
30	C> Prabhat Phery/Rally	144	105
31	Wall writing (Wall)	N.A.	165

32	Installation of scheme detailling Boards at village entry point.	16	32
33	Hoarding at District entry points	2	4
42	Monitoring on going scheme	5	134
Other Activities			
44	Site Verification	144	179

नीर निर्मल परियोजना चित्र

स्कुल रैली।

ग्राम बैठक।

4. एल.ई.डी.पी. बकरी पालन परियोजना (नाबार्ड)

एल.ई.डी.पी. बकरी पालन परियोजना नाबार्ड के सहयोग से पलामू जिले के सतबरवा प्रखण्ड में संचालित किया जा रहा है, इस परियोजना में संस्था बिहार प्रदेश युवा परिषद् नाबार्ड के सहयोगी संस्था के रूप में कार्य कर रही है।

इस परियोजना मे संस्था के द्वारा सतबरवा प्रखण्ड के बकोरीया, तुम्बागड़ा, मुरमा, दुलसुलमा, पीपरा कला एंव चेतमा के 150 महिला स्वयं सहायता समुह के सदस्यो को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है।

गतिविधि 2015–16

क्र0	समुह की संख्या	प्रशिक्षणार्थी की संख्या	बैच की संख्या	प्रशिक्षण की अवधि
1	27	150	5	7 दिन प्रति बैच

एल ई डी पी परियोजना चित्र

बकरी पालन प्रशिक्षण के दौरान ईलाज के बारे में जानकारी देते।

Thanks